Drishti IAS

करेंट अफ़ेयर्स

झारखण्ड

(संग्रह)

जनवरी

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

➢ पंचायत से संसद 2.0 3

➢ मैया सम्मान योजना की पहली किस्त 4

➢ राँची में '5G यूज़ केस टेस्ट लैब' का उद्घाटन 4

➢ बाइसन जनसंख्या को रिवाइव करने हेतु अध्ययन 6

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

झारखण्ड

पंचायत से संसद 2.0

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **लोकसभा अध्यक्ष** ओम बिरला ने "**पंचायत से संसद 2.0**" का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य देश भर में पंचायती राज संस्थाओं की महिला प्रतिनिधियों को **संविधान** और संसदीय प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करना है।

- यह कार्यक्रम **आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में** आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य:**
  - इस पहल का उद्देश्य **पंचायती राज संस्थाओं** की निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को **संवैधानिक प्रावधानों, संसदीय प्रक्रियाओं और शासन** के बारे में उनका ज्ञान बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाना **तथा प्रभावी नेतृत्व** को बढ़ावा देना है।
  - यह कार्यक्रम 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की **अनुसूचित जनजातियों की 502 निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों** को एक साथ लाता है, जिससे समावेशिता और विविधता सुनिश्चित होती है।
- **कार्यशालाएँ और सत्र:**
  - कार्यक्रम में विशेषज्ञों और **संसद सदस्यों द्वारा संचालित इंटरैक्टिव कार्यशालाएँ और सत्र** शामिल हैं।
  - इसका आयोजन **राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW)** और **लोकसभा सचिवालय द्वारा जनजातीय मामलों के मंत्रालय** के सहयोग से किया जाता है।
- **निर्देशित पर्यटन:**
  - **प्रतिभागियों ने भारत की विधायी प्रक्रियाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं** की गहन समझ हासिल करने के लिये **नए संसद भवन, संविधान सदन, प्रधानमंत्री संग्रहालय** और **राष्ट्रपति भवन** का निर्देशित दौरा किया।

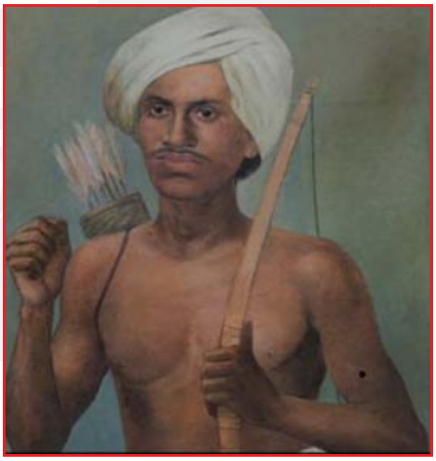

बिरसा मुंडा

- उनका **जन्म 15 नवंबर 1875** को हुआ था। वे **मुंडा जनजाति** से थे।
- उन्होंने **19वीं सदी** के अंत में ब्रिटिश शासन के दौरान **आधुनिक झारखंड और बिहार के आदिवासी क्षेत्र** में **भारतीय आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दि आंदोलन** का नेतृत्व किया।
- उन्होंने **मुंडा विद्रोह (उलगुलान)** का नेतृत्व किया और उनकी जयंती को **जनजातीय गौरव दिवस** के रूप में मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मैया सम्मान योजना की पहली किस्त

चर्चा में क्यों ?

राँची में एक कार्यक्रम के दौरान, **झारखंड के मुख्यमंत्री ने 'मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना'** के तहत **56.62 लाख महिलाओं को 11,415.44 करोड़ रुपए हस्तांतरित** किये, जिनमें से प्रत्येक को **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** के माध्यम से **2,500 रुपए** दिये गए।

प्रमुख बिंदु

- **महिला लाभार्थियों को सशक्त बनाना:**
- **सभी 24 ज़िलों से आई महिलाओं की सभा** को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं को स्वतंत्र रूप से **अपने सपने पूरे करने के लिये सशक्त बनाने** पर ज़ोर दिया।
- इस योजना की **महिलाओं** को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने तथा उनकी दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने में **सक्षम बनाने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।**
- उन्होंने महिलाओं को **एनीमिया** से लड़ने के लिये मांस और मछली सहित **पौष्टिक भोजन खरीदने के लिये धन का उपयोग** करने के लिये प्रोत्साहित किया।
- इस धनराशि से महिलाओं को गैस सिलेंडर, त्यौहारों के लिये कपड़े तथा बच्चों के लिये स्कूल की सामग्री खरीदने में भी मदद मिलेगी, जिससे सरकारी खाद्यान्न पर उनकी निर्भरता कम होगी।

मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना

- **अगस्त 2024 में लॉन्च की जाने वाली** यह योजना **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT)** के माध्यम से **21-50 वर्ष की महिलाओं को 1,000 रुपए मासिक** प्रदान करती है।
- विधानसभा चुनावों से पहले इसकी लोकप्रियता के कारण **वित्तीय सहायता बढ़ाकर 2,500 रुपए** कर दी गई।

राँची में '5G यूज़ केस टेस्ट लैब' का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने** झारखंड के राँची में **केंद्रीय खान योजना और डिज़ाइन संस्थान (CMPDI)** में **'5G उपयोग मामला परीक्षण प्रयोगशाला'** का उद्घाटन किया।

- इस सुविधा का उद्देश्य **कोयला क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन और तकनीकी क्षमताओं को आगे बढ़ाना है।**

मुख्य बिंदु

- **स्थायी कला प्रदर्शन:**
  - मंत्री ने औद्योगिक स्क्रैप सामग्री से निर्मित **'CMPDI सेवाओं की प्रतिकृति'** मूर्ति का अनावरण किया, जिसमें जियोमैटिक्स, अन्वेषण और पर्यावरण निगरानी में CMPDI की सेवाओं को प्रदर्शित किया गया।
  - यह स्थापना कला में **पुनर्चक्रण और स्थायी प्रथाओं पर ज़ोर देती है।**
  - मंत्री ने **CMPDI का नया कॉर्पोरेट लोगो भी लॉन्च किया।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **5G उपयोग केस लैब:**
  - **विशेषताएँ:**
    - यह प्रयोगशाला कोयला क्षेत्र के लिये अनुकूलित **उद्योग 5G निजी नेटवर्क** का एक **छोटा सा प्रतिनिधित्व के रूप में कार्य करती है।**
- **क्षमताएँ:**
  - **5G रेडियो, कोर प्रौद्योगिकियों, एज/क्लाउड आईटी/ओटी अनुप्रयोगों और 5G-सक्षम** उपकरणों को एकीकृत करता है।
  - आवाज़, वीडियो और डेटा संचार अनुप्रयोगों का समर्थन करता है।
  - इसमें वाहन प्रबंधन और अन्य अनुप्रयोगों के लिये IIoT सेंसर शामिल हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **पूर्वानुमानित रखरखाव, स्मार्ट माइनिंग और वास्तविक समय निगरानी** जैसे 5G उपयोग के मामलों का विकास करना।
  - वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के लिये 5G निजी नेटवर्क का एक प्रतिकृति मॉडल बनाना।
- **भविष्य के अनुप्रयोग:**
  - **परिचालन अनुकूलन के लिये डिजिटल ट्विन्स, स्वचालित निर्देशित वाहन (AGV) और AR/VR** जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करना।
- **कोयला उद्योग को लाभ:**
  - **मिशन-महत्त्वपूर्ण परिचालनों को** समर्थन देने के लिये विश्वसनीय, उच्च गति, कम विलंबता कनेक्टिविटी।
  - बेहतर निर्णय लेने और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के लिये वास्तविक समय डेटा विनिमय।
  - निजी कैप्टिव नेटवर्क यह सुनिश्चित करता है कि परिचालन के दौरान उत्पन्न डेटा **कोल इंडिया लिमिटेड (CIL)** के पास रहे।
  - 5G को अपनाने से खनन कार्यों में दक्षता और सुरक्षा में सुधार होगा।

कोल इंडिया लिमिटेड

- **परिचय:**
  - CIL **भारत में एक सरकारी स्वामित्व वाली कोयला खनन निगम है,** जो देश में कोयला संसाधनों के उत्पादन और प्रबंधन के लिये ज़िम्मेदार है।
    - इसकी स्थापना 1975 **में हुई थी और यह विश्व का सबसे बड़ा कोयला उत्पादक है।**
- **संगठनात्मक संरचना:**
  - CIL को '**महारत्न**' **सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में वर्गीकृत किया गया है** और यह ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ECL), भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (BCCL) जैसी 8 सहायक कंपनियों के माध्यम से परिचालन करती है।
  - **महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (MCL)** CIL की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक सहायक कंपनी है।
- **सामरिक महत्त्व:**
  - भारत की **स्थापित विद्युत क्षमता का आधे से अधिक भाग कोयला आधारित है** तथा CIL देश के कुल कोयला उत्पादन का लगभग 78% आपूर्ति करता है।
  - **भारत की प्राथमिक वाणिज्यिक ऊर्जा आवश्यकताओं की** पूर्ति भी कोयले से ही होती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **खनन क्षमता:**
  - **आठ भारतीय राज्यों** में, CIL **84 खनन क्षेत्रों** में काम करती है और कुल **313 सक्रिय खदानों का प्रबंधन करती है।**

बाइसन जनसंख्या को रिवाइव करने हेतु अध्ययन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड वन विभाग ने पलामू टाइगर रिज़र्व (PTR) में बाइसन (जिसे आमतौर पर गौर के नाम से जाना जाता है) की घटती संख्या को रिवाइव (पुनर्जीवित) करने के लिये एक अध्ययन शुरू किया।

मुख्य बिंदु

- **झारखंड में बाइसन जनसंख्या की स्थिति:**
  - बाइसन, जो बड़ी बिल्लियों के लिये एक महत्त्वपूर्ण भोजन स्रोत है, पलामू टाइगर रिज़र्व (PTR) को छोड़कर **पूरे झारखंड में विलुप्त हो चुका है।**
  - PTR में वर्तमान **बाइसन की जनसंख्या 50 से 70 के बीच है, जो** 1970 के दशक की तुलना में काफी कम है, जब यह लगभग 150 थी।
- **गिरावट के कारण:**
  - प्रमुख कारकों में **अवैध शिकार, संक्रमण और** स्थानीय मवेशियों के कारण आवास में गड़बड़ी शामिल हैं।
  - 1.5 लाख से अधिक पालतू मवेशी बाइसन के निवास स्थान पर अधिकार कर लेते हैं, उनके आहार का सेवन करते हैं और **मुँह और खुरपका रोग** जैसे संक्रामक रोगों का प्रसार करते हैं।
- **वर्तमान संरक्षण प्रयास:**
  - PTR प्राधिकरण ने **बाइसन के अस्तित्व को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करने के लिये एक अध्ययन शुरू किया है,** जिसमें आवास सुधार और घास प्रजातियों की प्राथमिकताएँ शामिल हैं।
    - अध्ययन के बाद एक व्यापक पुनरुद्धार योजना बनाई जाएगी।
  - बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिये, आसपास के 190 गांवों के **1.5 लाख घरेलू मवेशियों को टीका लगाने का टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।**
  - चरागाह सुधार और अवैध शिकार विरोधी उपायों को भी मजबूत किया जा रहा है।
- **कोर और बफर ज़ोन प्रबंधन:**
  - PTR 1,129.93 वर्ग किलोमीटर में विस्तृत है, जिसमें से 414.08 वर्ग किलोमीटर को कोर (महत्त्वपूर्ण **बाघ** आवास) और 715.85 वर्ग किलोमीटर को बफर ज़ोन घोषित किया गया है।
  - **बेतला राष्ट्रीय उद्यान** PTR के 226.32 वर्ग किमी क्षेत्र में विस्तृत है, जिसमें से 53 वर्ग किमी. क्षेत्र बफर ज़ोन में पर्यटकों के लिये खुला है।
  - **मुख्य पर्यावासों की सुरक्षा के लिये PTR सीमा के भीतर 34 गाँवों में से आठ को स्थानांतरित करने** के प्रयास चल रहे हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

बाइसन

- **परिचय:**
  - **भारतीय बाइसन या गौर (बोस गौरस) भारत में** पाई जाने वाली **जंगली मवेशियों की सबसे लंबी प्रजाति** है और **सबसे बड़ा मौजूदा गोजातीय पशु है।**
  - **विश्व में गौर की संख्या** लगभग 13,000 से 30,000 है, जिनमें से लगभग **85% जनसंख्या भारत में मौजूद है।**
    - **फरवरी 2020 में नीलगिरी वन प्रभाग** में **भारतीय गौर** की पहली **जनसंख्या आकलन प्रक्रिया के तहत अनुमान लगाया गया था कि प्रभाग में** लगभग 2,000 भारतीय गौर निवास करते हैं।
- **भूगोल:**
  - इसका मूल स्थान **दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया है।**
  - **भारत** में, वे **पश्चिमी घाटों में** बहुत अधिक प्रचलित हैं।
    - वे मुख्य रूप से **नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान, बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान, मसिनागुडी राष्ट्रीय उद्यान और बिलिगिरिरंगना हिल्स (BR हिल्स) में पाए जाते हैं।**
  - **यह बर्मा और थाईलैंड** में भी पाया जाता है।
- **प्राकृतिक वास:**
  - वे **सदाबहार वनों और नम पर्णपाती वनों को पसंद करते हैं।**
  - वे **हिमालय में** 6,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर नहीं पाए जाते हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN रेड लिस्ट** में **असुरक्षित।**
  - **वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972** की **अनुसूची I** में शामिल।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :